

अध्याय - 2 | समाजशास्त्र में प्रयुक्त शब्दावली, संकल्पनाएँ एवं उनका

QUIZ-01

1. एक सामाजिक समूह को क्वासी समूह से क्या अलग करता है?
- भौतिक निकटता की उपस्थिति
 - समान व्यवसाय
 - सतत संपर्क और साझा मानदंड
 - संचार की कमी

(C)

व्याख्या: एक सामाजिक समूह में नियमित संपर्क, समान रुचियाँ, मानदंड और स्थायी संरचना होती है, जबकि क्वासी समूह में ऐसा नहीं होता।

2. निम्नलिखित में से कौन प्राथमिक समूह का उदाहरण है?
- स्कूल प्रशासन
 - राजनीतिक पार्टी
 - परिवार
 - बैंक कर्मचारी

(C)

व्याख्या: प्राथमिक समूह छोटे होते हैं और व्यक्तिगत, आमने-सामने बातचीत पर आधारित होते हैं—परिवार इसका सामान्य उदाहरण है।

3. जाति व्यवस्था में व्यक्ति की स्थिति मुख्यतः किस पर निर्भर करती है?
- आय
 - पेशा
 - जन्म
 - शिक्षा

(C)

व्याख्या: जाति व्यवस्था में स्थिति जन्म से निर्धारित होती है, इसे जीवन के दौरान अर्जित नहीं किया जाता।

4. वह कौन-सी क्रिया है जो स्वीकृत सामाजिक मानदंडों का उल्लंघन करती है?
- स्तरीकरण
 - विचलन
 - भूमिका संघर्ष
 - दंड

(B)

व्याख्या: विचलन वह व्यवहार है जो समाज में स्थापित मानदंडों और अपेक्षाओं का पालन नहीं करता।

5. 'स्थिति' और 'भूमिका' के बीच मुख्य अंतर क्या है?
- भूमिका प्राप्त होती है, स्थिति जन्म से मिलती है
 - स्थिति गतिशील होती है, भूमिका स्थिर
 - स्थिति सामाजिक पद है; भूमिका उस पद से संबंधित व्यवहार है
 - भूमिका वैकल्पिक होती है, स्थिति अनिवार्य

(C)

व्याख्या: स्थिति सामाजिक पद को दर्शाती है, जबकि भूमिका उस पद के अनुरूप किए जाने वाले कार्यों को व्यक्त करती है।

6. निम्नलिखित में से कौन सामाजिक नियंत्रण का अनौपचारिक तरीका है?
- संविधान
 - न्यायालय
 - पुलिस
 - साथियों का दबाव

(D)

व्याख्या: अनौपचारिक नियंत्रण समाज में साथियों या परिवार के माध्यम से जैसे कि आलोचना, ताना, दबाव द्वारा होता है।

7. वह समूह जिसे लोग अनुकरण करने की इच्छा रखते हैं, क्या कहलाता है?
- इन-ग्रुप
 - साथियों का समूह
 - संदर्भ समूह
 - आउट-ग्रुप

(C)

व्याख्या: संदर्भ समूह वह होता है जिसकी जीवनशैली को लोग अपनाना चाहते हैं, भले ही वे उसमें शामिल न हों।

8. यह विश्वास कि सामाजिक पदों को योग्यता और दक्षता के आधार पर भरा जाना चाहिए, किस सिद्धांत को दर्शाता है?
- जाति व्यवस्था
 - सामंती व्यवस्था
 - कार्यात्मकतावादी दृष्टिकोण
 - संघर्ष सिद्धांत

(C)

व्याख्या: कार्यात्मकतावादी मानते हैं कि समाज में आवश्यक पदों को योग्य लोगों से भरने के लिए सामाजिक असमानता जरूरी होती है।

9. 'स्थिति सेट' से क्या तात्पर्य है?
- एक ही स्थिति का बार-बार दोहराव
 - उत्तराधिकार में मिलने वाली भूमिकाओं का क्रम
 - एक व्यक्ति द्वारा एक साथ धारण की गई विभिन्न सामाजिक स्थितियाँ
 - किसी एक सामाजिक स्थिति की भूमिका

(C)

व्याख्या: स्थिति सेट उस समय एक व्यक्ति द्वारा धारण की गई सभी सामाजिक पदों को दर्शाता है जैसे—छात्र, बेटा, ग्राहक आदि।

10. निम्न में से कौन-सी विशेषता द्वितीयक समूहों की है?
- छोटे और घनिष्ठ संबंध
 - भावनात्मक रूप से तीव्र संबंध
 - औपचारिक और निरपेक्ष संबंध
 - पारिवारिक जैसा जुड़ाव

(C)

व्याख्या: द्वितीयक समूह बड़े होते हैं और इनका संबंध उद्देश्य आधारित, औपचारिक और व्यावसायिक होता है।